

## 0330-0395 - Gregorius Nyssenus - Sermo in illud Hic est filius meus dilectus

This text belongs to the [Thesaurus Linguae Graecae](#) (TLG®), a Research Center at the [University of California, Irvine](#), which digitized it and owns the relevant ©Copyright. On May 15, 2008, Prof. M. [Pantelia](#), the Director of the Center, has expressly authorized [www.documentacatholicaomnia.eu](http://www.documentacatholicaomnia.eu) to post it into our site.

Cooperatorum Veritatis Societas thanks the prof. Pantelia, the Center, and the University of California, Irvine, of having granted the opportunity to make publicly available this text of high quality, serial number '2017 071'.

Charset and format of the text have been changed in order to make it possible the computation of analytic indexes and concordances. [Analytical indexes](#) and [concordances](#) have been made by the Cooperatorum Veritatis Societas.

## Sermo in illud: Hic est filius meus dilectus

- [00001] [46.1109] Τί τὸ πιστεύειν ἀφέντες, τεχνολογοῦμεν τὴν πίστιν, καὶ πληροῦμεν τὴν ἐπιθυμίαν τοῦ κοινοῦ δυσμενοῦς;
- [00002] Λογισάμενος γὰρ ὁ διάβολος, ὁ κοινὸς τῆς ἀνθρωπότητος λυμεὼν, ὅτι γαλήνης ἐν ἡμῖν πολιτευομένης, τὰ τῆς εὐσεβείας ἀνθεῖ, τῆς πίστεως δὲ κρατούσης, εὐζωΐα κρατεῖ, φίλοι τε τοῦ Δημιουργοῦ γινόμεθα, ἵνα μὴ ἐπέλωμεν, ὅθεν ἐκεῖνος ἐξέπεσεν, ὁρᾶτε τί πεποίηκε, καὶ πῶς πανούργως τὸν καθ' ἡμᾶς ἐρῶαψῶδηκε πόλεμον.
- [00003] Ὁ μηχανορῶφος τῶν κακῶν, καὶ σοφὸς ἐν ἀπάταις, καὶ ποικίλος ἐν ἐπιβουλαῖς, καὶ πλούσιος ἐν τοῖς κακοῖς μηχανήμασι, παρασκευάζει τινὰς ἐν προσχήματι τῆς εὐσεβείας στρατεύσασθαι κατὰ τῆς πίστεως, καὶ πᾶσι τοῖς εὐσεβέσι δι' αὐτῶν ἄκαιρον φιλονεικίαν, καὶ ψυχοφθόρον ἐνέβαλε πόλεμον, καὶ τῆς Ἐκκλησίας τὰ μέλη κατ' ἀλλήλων ἐστράτευσε.
- [00004] Στρέψωμεν τοίνυν κατὰ τῆς αὐτοῦ κεφαλῆς τοῦτο δὴ τὸ σοφὸν, καὶ τὴν εὐφροσύνην αὐτοῦ [46.1112] μεταβάλωμεν εἰς ὀδύνην, καὶ πένθος ἀπαρηγόρητον.
- [00005] Πενθήσωμεν τὴν εἰρήνην, ἣν ἐκεῖνος μισεῖ, Καταλείψωμεν τὸ ζυγομαχεῖν, καὶ σταθμίζειν τὰς λέξεις τοῦ δόγματος.
- [00006] Πausώμεθα τοῦ θέλειν εἶναι τῶν διδασκάλων διδάσκαλοι.
- [00007] Μισήσωμεν τὸ λογομαχεῖν ἐπὶ καταστροφῇ τῶν ἀκούοντων.
- [00008] Πιστεύσωμεν ὡς οἱ πατέρες ἡμῶν παραδέδωκαν.
- [00009] Οὐκ ἐσμὲν τῶν πατέρων σοφώτεροι·
- [00010] οὐκ ἐσμὲν τῶν διδασκάλων ἀκριβέστεροι.
- [00011] Ἐν εἰρήνῃ ἐκάλεσεν ἡμᾶς ὁ Θεὸς, οὐκ ἐν μάχῃ.
- [00012] Ὡς ἐκλήθημεν, οὕτως προσμείνωμεν τῇ μυστικῇ τραπέζῃ, ἐν ἣ τῶν οὐρανίων μεταλαμβάνομεν.
- [00013] Μὴ γινώμεθα κατὰ ταυτὸν ὁμοτράπεζοι, καὶ ἀλλήλων ἐπίβουλοι·
- [00014] μὴ ἐνταῦθα κοινωνικοὶ, καὶ ἔξω ἐπίβουλοι.
- [00015] Πρωτότοκος ὁ Κύριος ἤκουσεν ἐκ τῆς Παρθένου, οὐχ ὅτι δευτερόν τινα ὁμοιογενῆ προσεκαλέσατο, ἀλλ' ὅτι πρωτότοκος ἀσυγκρίτως ἐστὶ πρὸς τοὺς υἱοὺς τῶν ἀνθρώπων.
- [00016] Οὐδὲ γὰρ διὰ τὸ εἰπεῖν ὁ Απόστολος περὶ τῆς τοῦ Κυρίου ἐκ Πατρὸς ἀνάρχου γεννήσεως, Ὅς ἐστὶ πρωτότοκος πάσης κτίσεως, ἤδη καὶ ἀδελφὸν τοῦ Κυρίου συνεγράψατο.
- [00017] Οὐδ' αὖ πάλιν ὁ αὐτὸς, πρωτότοκον ἐκ τῶν νεκρῶν καλέσας, ἤδη καὶ ὁμαιμον τοῦ Κυρίου παρεισηγάγε παραπλησίως τὸν ἄδην πατήσαντα.
- [00018] Ἀλλὰ πρωτότοκος ὁ Κύριος ἐκ τοῦ Πατρὸς καὶ ἐκ τῆς Παρθένου καὶ ἐκ τῶν νεκρῶν, ἵνα διὰ πάντων γνωθῇ τὸ μοναδικὸν τῆς υἰότητος ἀξίωμα.
- [00019] Ἀσύγκριτος γὰρ ὁ δεσποτικὸς τόκος·
- [00020] ὅπου γὰρ ἡ μήτηρ παρθένος, πῶς τόκος ἐρμηνευόμενος;
- [00021] ἀλλὰ

|   |      |     |   |      |   |
|---|------|-----|---|------|---|
| α | 0945 | 107 | A | 0913 | 0 |
| β | 0946 | 11  | B | 0914 | 0 |
| γ | 0947 | 23  | Γ | 0915 | 0 |
| δ | 0948 | 27  | Δ | 0916 | 0 |
| ε | 0949 | 100 | E | 0917 | 0 |
| ζ | 0950 | 6   | Z | 0918 | 0 |
| η | 0951 | 26  | H | 0919 | 0 |
| θ | 0952 | 22  | Θ | 0920 | 1 |
| ι | 0953 | 64  | I | 0921 | 0 |
| κ | 0954 | 79  | K | 0922 | 6 |
| λ | 0955 | 47  | Λ | 0923 | 1 |
| μ | 0956 | 56  | M | 0924 | 2 |
| ν | 0957 | 141 | N | 0925 | 0 |
| ξ | 0958 | 4   | Ξ | 0926 | 0 |
| ο | 0959 | 122 | O | 0927 | 3 |
| π | 0960 | 55  | Π | 0928 | 8 |
| ρ | 0961 | 64  | P | 0929 | 0 |
| ς | 0962 | 80  | • | 0930 | 0 |
| σ | 0963 | 62  | Σ | 0931 | 1 |
| τ | 0964 | 135 | T | 0932 | 1 |
| υ | 0965 | 33  | Υ | 0933 | 0 |
| φ | 0966 | 12  | Φ | 0934 | 0 |
| χ | 0967 | 10  | X | 0935 | 0 |
| ψ | 0968 | 5   | Ψ | 0936 | 0 |
| ω | 0969 | 37  | Ω | 0937 | 0 |
| ϑ | 8164 | 2   |   |      | 0 |
| ϑ | 8165 | 2   | Ɔ | 8172 |   |

|   |      |    |   |      |    |   |       |    |   |      |    |   |      |    |   |      |    |   |      |    |
|---|------|----|---|------|----|---|-------|----|---|------|----|---|------|----|---|------|----|---|------|----|
| ά | 8049 | 19 | έ | 8051 | 21 | ή | 8053  | 14 | ί | 8055 | 27 | ό | 8057 | 19 | ύ | 8059 | 12 | ώ | 8061 | 4  |
| ὰ | 8048 | 17 | ὲ | 8050 | 4  | ῆ | 80852 | 8  | ὶ | 8054 | 21 | ὸ | 8056 | 20 | ὺ | 8058 | 2  | ὠ | 8060 | 1  |
| ἄ | 8118 | 4  |   |      | 0  | ῆ | 8134  | 13 | ῖ | 8150 | 13 |   |      | 0  | ῡ | 8166 | 17 | ῳ | 8182 | 16 |
| ἄ | 7936 | 15 | ὲ | 7952 | 32 | ῆ | 7968  | 0  | ὶ | 7984 | 4  | ὸ | 8000 | 1  | ὺ | 8016 | 16 | ὠ | 8032 | 0  |

|   |      |   |   |      |   |   |      |   |   |      |   |   |      |    |   |      |   |   |      |   |
|---|------|---|---|------|---|---|------|---|---|------|---|---|------|----|---|------|---|---|------|---|
| ά | 7937 | 0 | έ | 7953 | 1 | ή | 7969 | 5 | ί | 7985 | 3 | ό | 8001 | 11 | ύ | 8017 | 0 | ώ | 8033 | 1 |
| ᾶ | 7938 | 0 | ἐ | 7954 | 0 | ἦ | 7970 | 0 | ἰ | 7986 | 0 | ὀ | 8002 | 0  | ῦ | 8018 | 0 | ὠ | 8034 | 0 |
| ἄ | 7939 | 0 | έ | 7955 | 0 | ή | 7971 | 1 | ί | 7987 | 0 | ό | 8003 | 0  | ύ | 8019 | 0 | ώ | 8035 | 0 |
| ᾶ | 7940 | 1 | ἐ | 7956 | 1 | ή | 7972 | 3 | ί | 7988 | 0 | ὀ | 8004 | 0  | ῦ | 8020 | 0 | ὠ | 8036 | 0 |
| ἄ | 7941 | 0 | έ | 7957 | 0 | ή | 7973 | 0 | ί | 7989 | 2 | ό | 8005 | 6  | ύ | 8021 | 1 | ώ | 8037 | 0 |
| ᾶ | 7942 | 0 |   |      | 0 | ἦ | 7974 | 0 | ἰ | 7990 | 1 |   |      | 0  | ῦ | 8022 | 1 | ὠ | 8038 | 0 |
| ᾶ | 7943 | 0 |   |      | 0 | ἦ | 7975 | 0 | ἰ | 7991 | 0 |   |      | 0  | ῦ | 8023 | 0 | ὠ | 8039 | 0 |
| ᾶ | 8064 | 0 |   |      | 0 | ἦ | 8080 | 0 |   |      | 0 |   |      | 0  | ῦ | 8167 | 0 | ὠ | 8096 | 0 |
| ἄ | 8065 | 0 |   |      | 0 | ή | 8081 | 0 |   |      | 0 |   |      | 0  | ῦ | 8163 | 0 | ὠ | 8097 | 0 |
| ᾶ | 8066 | 0 |   |      | 0 | ἦ | 8082 | 0 |   |      | 0 |   |      | 0  |   |      | 0 | ὠ | 8098 | 0 |
| ἄ | 8067 | 0 |   |      | 0 | ή | 8083 | 0 |   |      | 0 |   |      | 0  |   |      | 0 | ὠ | 8099 | 0 |
| ᾶ | 8068 | 0 |   |      | 0 | ἦ | 8084 | 0 |   |      | 0 |   |      | 0  |   |      | 0 | ὠ | 8100 | 0 |
| ἄ | 8069 | 1 |   |      | 0 | ή | 8085 | 0 |   |      | 0 |   |      | 0  |   |      | 0 | ὠ | 8101 | 0 |
| ᾶ | 8070 | 0 |   |      | 0 | ἦ | 8086 | 0 |   |      | 0 |   |      | 0  |   |      | 0 | ὠ | 8102 | 0 |
| ᾶ | 8071 | 0 |   |      | 0 | ἦ | 8087 | 1 |   |      | 0 |   |      | 0  |   |      | 0 | ὠ | 8103 | 0 |
| α | 8115 | 0 |   |      | 0 | η | 8131 | 3 |   |      | 0 |   |      | 0  |   |      | 0 | ω | 8179 | 0 |
| ἄ | 8116 | 0 |   |      | 0 | ή | 8132 | 0 |   |      | 0 |   |      | 0  |   |      | 0 | ὠ | 8180 | 1 |
| ᾶ | 8119 | 0 |   |      | 0 | ἦ | 8135 | 4 |   |      | 0 |   |      | 0  |   |      | 0 | ὠ | 8183 | 0 |

Ceterae infrequentes vel rarissimae Litterae expositae non sunt

© 2006 Cooperatorum Veritatis Societas quoad hanc editionem iura omnia asservantur.  
0330-0395 - Gregorius Nyssenus - Sermo in illud Hic est filius meus dilectus  
Verborum Omnium Conspectus: 209Verba, quae repetita sunt in 441,030 occasionibus

ἄἄ [00021]  
ἀδελφόν [00016]  
ἄδην [00017]  
ἄκαιρον [00003]  
ἀκουόντων [00007]  
ἀκριβέστεροι [00010]  
ἄλλ [00015]  
Ἄλλᾶ [00018]  
ἀλλήλων [00003] [00013]  
ἀνάχου [00016]  
ἀνθει [00002]  
ἀνθρωπότητος [00002]  
ἀνθρώπων [00015]  
ἀξίωμα [00018]  
ἀπαρηγόρητον [00004]  
ἀπάταις [00003]  
Ἀπόστολος [00016]  
Ἀσυγκρίτος [00019]  
ἀσυγκρίτως [00015]  
αὐ [00017]  
αὐτός [00017]  
αὐτοῦ [00004] [00004]  
αὐτῶν [00003]  
ἀφέντες [00001]

γαλήνης [00002]  
γάθ [00002] [00016] [00019] [00020]  
γεννήσεως [00016]  
γινόμεθα [00002]

γινώμεθα [00013]  
γνωθῆ [00018]

δέ [00002]  
δεσποτικὸς [00019]  
δεύτερον [00015]  
δῆ [00004]  
Δημιουργοῦ [00002]  
δι [00003]  
διὰ [00016] [00018]  
διάβολος [00002]  
διδάσκαλοι [00006]  
διδασκάλων [00006] [00010]  
δόγματος [00005]  
δυσμενοῦς [00001]

εἶναι [00006]  
εἰπεῖν [00016]  
εἰρήνη [00011]  
εἰρήνην [00005]  
εἰς [00004]  
ἐκ [00015] [00016] [00017] [00018] [00018] [00018]  
ἐκάλεσεν [00011]  
ἐκείνος [00002] [00005]  
Ἐκκλησίας [00003]  
ἐκλήθημεν [00012]  
ἐν [00002] [00003] [00003] [00003] [00003] [00011] [00012]  
Ἐν [00011]  
ἐνέβαλε [00003]  
ἐνταῦθα [00014]  
ἐξέπεσεν [00002]  
ἐξω [00014]  
ἐπέλωμεν [00002]  
ἐπι [00007]  
ἐπιβουλαῖς [00003]  
ἐπίβουλοι [00013] [00014]  
ἐπιθυμίαν [00001]  
ἐρημνεύομενος [00020]  
ἐρόαψώδηκε [00002]  
ἐσμέν [00009] [00010]  
ἐστι [00015]  
ἐστι [00016]  
ἐστράτευσε [00003]  
εὐζωΐα [00002]  
εὐσεβείας [00002] [00003]  
εὐσεβέσι [00003]  
εὐφροσύνην [00004]

ζυγομαχεῖν [00005]

ἦ [00020]  
ἦ [00012]  
ἦδη [00016] [00017]  
ἦκουσεν [00015]  
ἡμᾶς [00002] [00011]  
ἡμῖν [00002]  
ἡμῶν [00008]  
ἦν [00005]

θέλειν [00006]  
Θεὸς [00011]

ἵνα [00002] [00018]

καθ [00002]  
κακοῖς [00003]  
κακῶν [00003]  
καλέσας [00017]  
κατ [00003]  
Καταλείψωμεν [00005]  
καταστροφή [00007]  
κεφαλῆς [00004]  
κοινὸς [00002]  
κοινοῦ [00001]  
κοινωνικοὶ [00014]  
κρατεῖ [00002]  
κρατούσης [00002]  
κτίσεως [00016]  
Κύριος [00015] [00018]  
Κυρίου [00016] [00016] [00017]

λέξεις [00005]  
Λογισάμενος [00002]  
λογομαχεῖν [00007]  
λυμῶν [00002]

μάχη [00011]  
μέλη [00003]  
μεταβάλλωμεν [00004]  
μεταλαμβάνομεν [00012]  
μήτηρ [00020]  
μηχανήμασι [00003]  
μηχανοδόφος [00003]  
μισεῖ [00005]  
Μισήσωμεν [00007]  
μοναδικὸν [00018]  
μυστικῆ [00012]

νεκρῶν [00017] [00018]

ὁ [00002] [00002] [00011] [00015] [00016] [00017] [00018] [00019]  
 Ὁ [00003]  
 ὀδύνην [00004]  
 ὀθεν [00002]  
 οἱ [00008]  
 ὀμαιμον [00017]  
 ὀμοιογενή [00015]  
 ὀμοτραπέζοι [00013]  
 ὀπου [00020]  
 ὀρατε [00002]  
 Ὁς [00016]  
 ὅτι [00002] [00015] [00015]  
 Οὐδ [00017]  
 Οὐδὲ [00016]  
 Οὐκ [00009]  
 οὐκ [00010] [00011]  
 οὐρανίων [00012]  
 οὐτως [00012]  
 οὐχ [00015]

πάλιν [00017]  
 πανούργως [00002]  
 πάντων [00018]  
 παραδέδωκαν [00008]  
 παραπλησίως [00017]  
 παρασκευάζει [00003]  
 παρεισήγαγε [00017]  
 παρθένος [00020]  
 Παρθένου [00015] [00018]  
 πάσης [00016]  
 πάσι [00003]  
 πατέρες [00008]  
 πατέρων [00009]  
 πατήσαντα [00017]  
 Πατρός [00016] [00018]  
 Πανσώμεθα [00006]  
 Πενθήσωμεν [00005]  
 πένθος [00004]  
 πεποίηκε [00002]  
 περί [00016]  
 πιστεύειν [00001]  
 Πιστεύσωμεν [00008]  
 πίστεως [00002] [00003]  
 πίστιν [00001]  
 πληρούμεν [00001]  
 πλούσιος [00003]  
 ποικίλος [00003]  
 πόλεμον [00002] [00003]  
 πολιτευομένης [00002]  
 πρὸς [00015]  
 προσεκαλέσατο [00015]  
 προσμείνωμεν [00012]  
 προσχήματι [00003]  
 πρωτότοκον [00017]  
 Πρωτότοκος [00015]  
 πρωτότοκος [00015] [00016] [00018]  
 πῶς [00002] [00020]

σοφὸν [00004]  
 σοφὸς [00003]  
 σοφώτεροι [00009]  
 σταθμίζειν [00005]  
 στρατεύσασθαι [00003]  
 Στρέψωμεν [00004]  
 συνεγράψατο [00016]

τὰ [00002] [00003]  
 τὰς [00005]  
 ταυτὸν [00013]  
 τε [00002]  
 τεχνολογούμεν [00001]  
 τῆ [00012]  
 τῆν [00001] [00001] [00004] [00005]  
 τῆς [00002] [00002] [00002] [00003] [00003] [00003] [00004] [00015] [00016] [00018] [00018]  
 Τι [00001]  
 τί [00002]  
 τινὰ [00015]  
 τινὰς [00003]  
 τὸ [00001] [00004] [00005] [00007] [00016] [00018]  
 τοῖνυν [00004]  
 τοῖς [00003] [00003]  
 τόκος [00019] [00020]  
 τὸν [00002] [00017]  
 τοῦ [00001] [00002] [00005] [00006] [00016] [00016] [00017] [00018]  
 τοὺς [00015]  
 τοῦτο [00004]  
 τραπέζη [00012]  
 τῶν [00003] [00006] [00007] [00009] [00010] [00012] [00015] [00017] [00018]

υἰότητα [00018]  
 υἱοὺς [00015]

φίλοι [00002]  
 φιλονεικίαν [00003]

ψυχοφθόρον [00003]

ὡς [00008]

Ως [00012]